हिंदी त्रैमासिक ई-पत्रिका
लेखापरीक्षा ज्ञानोदय
तेरहवाँ संस्करण

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा मुंबई,
सी-25, 8वां तल, ऑडिट भवन, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा पूर्व, मुंबई – 400 051
टेलीफ़ोन नं.- 022-69403800, ई-मेल pdcamumbai@cag.gov.in

लेखापरीक्षा ज्ञानोदय परिवार

मुख्य संरक्षक

डॉ. संदीप रॉय

महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा

संरक्षक

मो. फैजान नय्यर, निदेशक/तेल

संपादक-मंडल

श्रीमती स्वपना फुलपाड़िया	वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्रीमती मीना देशप्रभु	वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्रीमती विद्या मुरलीधरन	वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्रीमती कल्पना असगेकर	सहायक पर्यवेक्षक
सुश्री पूजा साव	कनिष्ठ अनुवादक
सुश्री प्रियंका त्रिवेदी	कनिष्ठ अनुवादक
श्री अरुण कुमार साव	कनिष्ठ अनुवादक

(रचनाओं की मौलिकता एवं विचार से संबंधित पूर्ण उत्तरदायित्व रचनाकारों का है-संपादक मंडल)

अनुक्रमणिका	
संदेश	डॉ. संदीप रॉय, महानिदेशक
संदेश	मो. फैजान नय्यर, निदेशक/तेल
संदेश	श्री अनुपम जाखड़, उपनिदेशक
संपादकीय	सुश्री पूजा साव
रथ यात्रा	श्रीमती स्वपना फुलपाड़िया
आधुनिक विकास	श्री सरोज प्रजापति
भारत की जी-20 अध्यक्षताः आयाम और महत्व	श्री जयराम सिंह
महानगर में रहने के फायदे और नुकसान	सुश्री पूजा साव
राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका	श्री अरुण कुमार साव
आत्मविश्वास	सुश्री प्रियंका त्रिवेदी
मेरे बचपन के यार	श्री इमरान खाटीक
कुछ खास दिल के पास है रहते	सुश्री फातेमा जुजर हवेलीवाला
नानी का घर	श्री रवि कुमार
आपके पत्र	

संदेश

मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि कार्यालय द्वारा त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 13वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पत्रिका राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा प्रोत्साहन को समर्पित त्रैमासिक पत्रिका है, जिससे राजभाषा हिंदी के प्रति लोगों की रूचि बढ़े।

मन के विचारों और भावों को शब्दों में प्रकट करने की सबसे सरल भाषा हिंदी है। हिंदी वह पुल है जिसके माध्यम से भारतीय संस्कृति, विचारधारा, कला, दर्शन आदि का आदान-प्रदान होता है। अतः पत्रिका प्रकाशन से न केवल हिंदी को बढ़ावा मिलता है अपितु कार्यालय के कार्मिकों में सृजनात्मकता की भी वृद्धि होती है।

मैं इस पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा रचनाकारों को बधाई देता हूं जिनके प्रयासों से इसका प्रकाशन संभव हुआ है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी राजभाषा की प्रगति हेतु इसी प्रकार सकारात्मक भूमिका निभाते रहेंगे।

(डॉ. संदीप रॉय)
महानिदेशक
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मुंबई

संदेश

कार्यालय की त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 13वें अंक के प्रकाशन से संचार माध्यमों में हिंदी के प्रति रूझान बढ़ेगा जिससे मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। यह पत्रिका राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाने के साथ-साथ हमारे कार्यालय के कार्मिकों को अपनी सर्जन क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रदान करती है।

भाषा परिवर्तन एक प्रदीर्घ प्रक्रिया है इसलिए जैसे-जैसे राजभाषा नए-नए क्षेत्रों में प्रवेश करती जाएगी, वह नए शब्दों, मुहावरों और उस विषय-वस्तु के संस्कारों को ग्रहण करते हुए अपने को सतत मांजती रहेगी। अतः प्रत्येक सरकारी अधिकारी/कर्मचारी का यह नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व है कि वह सरकारी कार्य अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में करें।

पत्रिका के 13वें अंक के प्रकाशन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद। अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत रचनाओं के सुंदर प्रस्तुतीकरण हेतु संपादक मंडल को हार्दिक शुभकामनाएं।

(मो. फैजान नय्यर)

निदेशक/तेल

कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मुंबई

संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि कार्यालय द्वारा हिंदी ई-पत्रिका लेखापरीक्षा ज्ञानोदय के तेरहवें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका प्रकाशन राजभाषा हिंदी के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित करने में अपने उद्देश्य के प्रति प्रयत्नशील है। कार्यालय के कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग हेतु पत्रिका का योगदान अत्यंत सराहनीय है। कार्यालय द्वारा किया जा रहा प्रयास प्रशंसनीय है। आशा करता हूं कि यह प्रयास अनवरत जारी रहेगा।

पत्रिका के सफल प्रकाशनार्थ संपादकीय मंडल को हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन।

(अनुपम जाखड़)

उपनिदेशक

उप-कार्यालय निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, देहरादून

संपादकीय

कार्यालय की त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 13वें अंक का प्रकाशन हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। पत्रिका का प्रकाशन राजभाषा हिंदी की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए एक प्रकार से पहिये की धुरी जैसी है। धुरी जितनी ठोस, मजबूत और अच्छे लोहे की होगी, वाहन में उतनी ही अधिक भार की क्षमता और तीव्र गति से सालों साल चलने की सामर्थ्य होगी।

यह पत्रिका राजभाषा कार्यान्वयन और हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की सतत प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से जारी रखेगा। हिंदी एक भाषा ही नहीं बल्कि यह भारतीय संस्कृति का वाहक भी है। इस पत्रिका के प्रकाशन से अधिकारियों एवं कर्मचारियों में जहाँ एक और लेखन की अभिरुचि बढ़ी है वहीं उन्हें अभिव्यक्ति का अवसर भी मिला है। इससे राजभाषा हिंदी के प्रति अनुकूल एवं सकारात्मक वातावरण के निर्माण की संभावना बढ़ी है।

मैं इस अंक में योगदान देने वाले सभी रचनाकरों तथा संपादक मंडल का आभार प्रकट करती हूँ और आशा करती हूँ कि इस अंक को भी पाठकगण रुचिकर एवं उपयोगी पाएंगे तथा पूर्व की भांति पाठकों का स्नेह 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' को मिलता रहेगा।

पूजा साव

कनिष्ठ अनुवादक

श्रीमती स्वपना फुलपाड़िया
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

जय जगन्नाथ

रथ यात्रा

वार्षिक पुरी रथ यात्रा, जिसे पुरी रथ महोत्सव के रूप में भी जाना जाता है, ओडिशा में आयोजित की जाती है। सबसे बड़े हिंदू त्योहारों में से एक, जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा 2023, मंगलवार, 20 जून, 2023 को भारत के ओडिशा के पुरी में प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में शुरू हुई। पुरी यात्रा आम तौर पर आषाढ़ के हिंदू महीने में द्वितीया तिथि (दूसरे दिन) और शुक्ल पक्ष से शुरू होती है।

जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा की जड़ें हिंदू पौराणिक कथाओं और इतिहास में गहरी होंगी। माना जाता है कि इसकी शुरुआत 5,000 साल पहले हुई थी जब पुरी के जगन्नाथ मंदिर में भगवान कृष्ण की छवि स्थापित की गई थी। वार्षिक रथ यात्रा भगवान जगन्नाथ की मंदिर से उनकी मौसी के निवास गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा की याद दिलाती है, जहां वह लौटने से पहले नौ दिनों तक रहते हैं।

यह त्योहार भगवान जगन्नाथ की जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा की याद दिलाता है।

भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का प्रतिनिधित्व करने वाले तीन भव्य रथों का निर्माण और सजावट की जाती है। भक्त मोटी रस्सियों का उपयोग करके रथों को पुरी की सड़कों पर खींचने के लिए इकट्ठा होते हैं। जुलूस के साथ धार्मिक भजन गाए जाते हैं, पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाए जाते हैं और जीवंत

लोक नृत्य होते हैं। लोग देवताओं की एक झलक पाने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए सड़कों पर लाइन लगाते हैं। जुलूस के दौरान भक्त देवताओं को प्रार्थना, फूल और मिठाई चढ़ाते हैं। यह त्योहार समावेशिता को बढ़ावा देता है, क्योंकि सभी पृष्ठभूमि और क्षेत्रों के लोग रथ खींचने में भाग ले सकते हैं। पुरी की सड़कों को जीवंत सजावट, रंगोली डिजाइन और पारंपरिक कला और शिल्प स्टालों से सजाया जाता है। ओडिसी जैसे पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम, ओडिशा की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करते हैं। गुंडिचा मंदिर में नौ दिनों के प्रवास के बाद जगन्नाथ मंदिर में देवताओं की वापसी के साथ त्योहार का समापन होता है।

पुरी रथ यात्रा 2023 में विभिन्न अनुष्ठान शामिल हैं जो अत्यधिक महत्व रखते हैं। त्योहार की शुरुआत स्नान यात्रा से होती है, जहां देवताओं को पवित्र जल से स्नान कराया जाता है। इसके बाद अनासार काल आता है, जिसके दौरान देवता आराम करते हैं और भक्तों को दिखाई नहीं देते हैं। रथ यात्रा के दिन मंत्रोच्चारण, प्रार्थना और प्रसाद के बीच रथों को खींचा जाता है। गुंडिचा मंदिर में नौ दिनों के प्रवास के बाद देवता एक जुलूस में लौटते हैं जिसे बहुदा यात्रा के रूप में जाना जाता है।

पौराणिक कथा के अनुसार सतयुग में इंद्रद्युम्न नाम के एक राजा रहते थे। वह भगवान विष्णु के प्रबल भक्त थे और उनके लिए एक मंदिर बनाना चाहते थे। हालाँकि, उन्हें नहीं पता था कि मूर्तियों को कैसे अभिकल्पित किया जाता है। इसलिए, उन्होंने ब्रह्मा की सलाह लेने के लिए ध्यान लगाया।

भगवान ब्रह्मा प्रकट हुए और सुझाव दिया कि उन्हें स्वयं भगवान विष्णु का आशीर्वाद लेना चाहिए और उत्तर का पता लगाना चाहिए। इसलिए जब राजा ने भगवान विष्णु का आह्वान किया, तो भगवान विष्णु उनके सपने में प्रकट हुए और उन्हें नीम की लकड़ी का एक लट्ठा खोजने के लिए बंकमुहाना जाने के लिए कहा। इस प्रकार, उन्हें उस सामग्री के बारे में संकेत मिला जो उन्हें मूर्तियों को बनाने के लिए उपयोग करनी होगी।

जल्द ही, राजा अपने सपने में विष्णु द्वारा बताए गए लट्ठे को खोजने के लिए मौके पर पहुंचे। हालाँकि, उन्होंने सोचा कि इससे मूर्तियाँ कौन बनाएगा। इंद्रद्युम्न ने कई मूर्तिकारों को नियुक्त किया, लेकिन कोई भी लकड़ी काटने में सफल नहीं हो सका क्योंकि उनके उपकरण टूट गए। वह चिंतित थे कि मंदिर का निर्माण नहीं कर पाएंगे। राजा निराश बैठे थे, भगवान विश्वकर्मा, अनंत महाराणा नामक एक कलाकार के भेष में उनके सामने प्रकट हुए। हालाँकि उन्होंने मूर्तियां बनाने के लिए स्वेच्छा से काम किया, लेकिन उन्होंने एक शर्त रखी। उन्होंने कहा कि जब तक वह अपनी सहमति नहीं देते तब तक कोई भी उन्हें न देखे और न ही कार्यशाला का दरवाजा खोले। दिन, महीने और साल बीत गए। राजा घटनाक्रम की जांच करने के अत्यंत उत्सुक थे। और जब राजा ने दरवाजे खोले, तो उन्हें जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की तीन अधूरी मूर्तियाँ ही मिलीं। उन्हें आश्चर्य हुआ कि देवताओं के अंग अधूरे क्यों छोड़े गए। और आश्चर्य की बात तो यह है कि शिल्पकार भी गायब हो गया था

पूर्ण मूर्तियाँ न बन पाने के विचार से व्याकुल होकर राजा ने ब्रह्मा से प्रार्थना की तो वे प्रकट हुए और चिंता न करने को कहा। उन्होंने कहा कि मूर्तियां जैसी हैं वैसी ही सुंदर हैं और इससे स्वयं भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा, उन्होंने उसे आश्वासन दिया कि वह स्वयं पुजारी के रूप में उद्घाटन पूजा की अध्यक्षता करेंगे और भगवान विष्णु का आह्वान करेंगे।

इस प्रकार, इंद्रद्युम्न अपने सपने को साकार करने में सफल रहा, और पुरी जगन्नाथ का मंदिर ब्रह्मा और भगवान विष्णु के आशीर्वाद से स्थापित हुआ। और दिलचस्प बात यह है कि ब्रह्मा ने इंद्रद्युम्न से यह भी वादा किया था कि उनके द्वारा निर्मित मंदिर की मूर्तियाँ दुनिया भर के भक्तों को आकर्षित करेंगी और मुख्य आकर्षण बनेंगी।

- श्री सरोज प्रजापति
सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

आधुनिक विकास

विकास की दौड़ में, हम इतना आगे बढ़ते गए,

घर की ताजी रोटी सब्जी को छोड, पिज्जा बर्गर को खाते गए |

मैदानों में जाना छोड़कर, इन्टरनेट गेम्स ही खेला,

शारीरिक मेहनत से दूर होकर, अपने को आलस्य की ओर धकेला।

शिक्षकों का सम्मान छोड़ा, हमने गूगल को गुरु बना लिया,

आधे-अधूरे ज्ञान को जैसा भी मिला अपना लिया।

पड़ोसी से नाता तोड़ा, ऑनलाइन दोस्तों को अपनाया,

रिश्तेदारों की तो क्या कहें, बचपन के दोस्तों तक को भी भुलाया |

अपने अधिकारों को तो समझा हमनें, कर्तव्यों को भूलते गए,

संयम, संस्कारों को ताक पे रख, अपने आप में घुलते गए |

साहस, सेवा, कर्तव्य-भाव से, एक ऐसे भारत का निर्माण करें,

कि पूरा विश्व हमें, विश्वगुरु कह सम्मान करे |

- श्री जय राम सिंह
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (नौवहन), मुंबई

भारत की जी-20 अध्यक्षता : आयाम और महत्व

“भारत की जी-20 अध्यक्षता इस वैश्विक एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए काम करेगी। इसलिए हमारा विषय - 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य ’ होगा ” - प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी

1 दिसंबर, 2022 एक अविस्मरणीय दिन है क्योंकि इसी दिन भारत ने इंडोनेशिया से पदभार ग्रहण करते हुए जी-20 मंच की अध्यक्षता संभाली। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत की जी-20 अध्यक्षता पिछली 17 अध्यक्षताओं की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

यह भी कितना सुखद संयोग है कि भारत जी-20 की अध्यक्षता तब कर रहा है जब भारत अपनी आज़ादी का अमृतकाल मना रहा है । इस अमृतकाल में भारत **एलआईएफई** (LiFE) अर्थात् **पर्यावरण के अनुरूप जीवनशैली** (Lifestyle for Environment) अभियान पर ध्यान केन्द्रित करते हुए अपनी पहल के माध्यम से सभी के लिए एक साझा वैश्विक भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य पर काम कर रहा है । भारत ने **LiFE** अभियान की घोषणा ग्लास्गो में हुए विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन (**COP26**) के दौरान किया था । स्पष्ट योजना और विकासोन्मुख दृष्टिकोण के साथ, भारत का उद्देश्य सभी के लिए नियम-आधारित व्यवस्था, शांति और न्यायपूर्ण विकास को बढ़ावा देना है। 2023 शिखर सम्मेलन से पहले योजनाबद्ध तरीके से चलाए जा रहे 200 से

अधिक कार्यक्रम भारत के एजेंडे और भारत की जी-20 अध्यक्षता की छह विषयगत प्राथमिकताओं को सुदृढ़ करेंगे।

विश्व के 19 प्रमुख देशों (भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा, मैक्सिको, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, जापान, इंडोनेशिया, चीन, ब्राजील, अर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका, सउदी अरब, और तुर्की) तथा यूरोपीय संघ की सदस्यतावाले जी-20 समूह की स्थापना 1999 में वित्त मंत्रियों और सदस्य देशों के केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में की गई थी। जी-20 देशों की आबादी कुल वैश्विक आबादी का लगभग दो-तिहाई, वैश्विक व्यापार का 75% और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद का 85% हिस्सा है। 2007 के वैश्विक वित्तीय और आर्थिक संकट के मद्देनजर, जी-20 को देश/सरकार के प्रमुखों के स्तर तक बढ़ा दिया गया था और इसे "**अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच**" नामित किया गया था।

जी-20 में दो मुख्य कार्यपथ हैं: वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए **वित्तीय कार्यपथ** और **शेरपा कार्यपथ**। जी-20 की कार्यवाही का नेतृत्व शेरपा करते हैं, जिन्हें सदस्य देशों के प्रमुखों के निजी दूत के रूप में नियुक्त किया जाता है। ये शेरपा साल भर होने वाली वार्ताओं की देखरेख करने, शिखर सम्मेलन के एजेंडे पर विचार-विमर्श करने और जी-20 के उल्लेखनीय कार्यों का समन्वय करने का दायित्व संभालते हैं। दोनों कार्यपथों में संबंधित पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ विशिष्ट विषयों से संबंधित कार्यसमूह हैं।

इस वर्ष कार्यसमूह हरित विकास, जलवायु वित्त, समावेशी विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी उत्क्रमण और सामाजिक-आर्थिक प्रगति के लिए महिला सशक्तिकरण के लिए सुधार जैसे वैश्विक प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ये सभी कदम सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति में तेजी लाने और भावी पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य को सुरक्षित करने के लिए उठाए गए हैं।

भारत की जी-20 अध्यक्षता:

भारत 2023 में पहली बार जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगा जो अब तक का सबसे बड़ा सम्मेलन भी होगा । इस सम्मेलन में 43 प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख इस साल सितंबर के अंत में नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे जिसमें पूर्णकालिक 20 सदस्यों के अतिरिक्त बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त

अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। इन देशों के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ और इसकी कई संस्थाओं को भी आमंत्रित किया गया है। लोकतंत्र और बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध राष्ट्र के रूप में, भारत की अध्यक्षता एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी क्योंकि यह सभी के लाभ के लिए व्यावहारिक वैश्विक समाधान खोजने और "वसुधैव कुटुंबकम" अर्थात् "दुनिया एक परिवार है" के विचार को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा।

जी-20 शिखर सम्मेलन हर साल बारी-बारी से आयोजित किया जाता है । इसी क्रम में 2023 में भारत इसकी अध्यक्षता करेगा। इस समूह के पास कोई स्थायी सचिवालय नहीं है। सचिवालयीन ज़रूरतों को अध्यक्ष पद के पिछले, वर्तमान और भविष्य के धारकों द्वारा सम्पादित किया जाता है जिसे तिकड़ी (Troika) के रूप में जाना जाता है। 2023 तिकडी में इंडोनेशिया, ब्राजील और भारत शामिल हैं।

जी-20 की उपलब्धियाँ:

अमेरिका के पिट्सबर्ग में हुए शिखर सम्मेलन में जी-20 को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुख नीति-निर्धारक मंच के रूप में स्वीकार किया गया। सियोल सहमति जी-20 के इतिहास में एक मील का पत्थर है जिसके आधार पर वैश्विक विकास की दशा और दिशा दोनों में तेजी लाने के प्रयास किए गए। 2011 में फ्रांस के कान्स शहर में आयोजित सम्मेलन में वैश्विक खाद्य बाज़ार में पारदर्शिता और सूचनाओं के अन्तर्संबंध को स्थापित किया गया। 2014 के ब्रिस्बेन सम्मेलन में सदस्य देशों की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में औसतन दो प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया जिसे एकाध अपवाद को छोड़कर पूरा भी कर लिया गया है। जर्मनी की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में पहली बार सूत्रवाक्य पर आधारित परिचर्चा प्रारंभ हुई। जर्मनी सम्मेलन का सूत्रवाक्य था- अन्तर्गुंफित विश्वव्यवस्था का निर्माण। इसके आगे के सभी सम्मेलनों में सूत्रवाक्य आधारित परिचर्चाएँ हुईं जिसने विश्व-व्यवस्था को नई दिशा देने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। 2021 के इटली सम्मेलन, जिसका सूत्रवाक्य “मानव, पृथ्वी, समृद्धि” था, से जी-20 की गतिविधियाँ आम जनता पर केंद्रित की गई हैं। भारत ने इस परिवर्तन को बहुत ही सुंदर तरीके से भारतीय दर्शन से जोड़कर “वसुधैव कुटुम्बकम्” का सूत्रवाक्य दिया है।

अब तक जी-20 समूह के 17 शिखर सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं, जिनका विवरण निम्नलिखित है:-

क्रम संख्या	शहर का नाम	देश	तिथि/वर्ष	अध्यक्ष राष्ट्रप्रमुख
1	वाशिंगटन	संयुक्त राज्य अमेरिका	14-15 नवंबर 2008	जॉर्ज डब्ल्यु बुश
2	लंदन	ब्रिटेन	2 अप्रैल 2009	गॉर्डन ब्राउन
3	पिट्सबर्ग	संयुक्त राज्य अमेरिका	24-25 सितंबर 2009	बराक ओबामा
4	टोरंटो	कनाडा	26-27 जून 2010	स्टीफन हार्पर
5	सियोल	दक्षिण कोरिया	11-12 नवंबर 2010	ली म्युंग बाक
6	कान्स	फ्रांस	3-4 नवंबर 2011	निकोलस सरकोजी
7	मैक्सिको सिटी	मैक्सिको	18-19 जून 2012	फिलिप काल्डरॉन
8	सेंट पीटर्सबर्ग	रूस	5-6 सितंबर 2013	व्लादिमिर पुतिन
9	ब्रिस्बेन	ऑस्ट्रेलिया	15-16 नवंबर 2014	टोनी एबॉट
10	अंताल्या	तुर्की	15-16 नवंबर 2015	रेकेप तैयब एर्दोगन
11	हवांगझो	चीन	4-5 सितंबर 2016	शी जिनपिंग
12	हैम्बर्ग	जर्मनी	7-8 जुलाई 2017	एंजेला मॉर्केल
13	ब्युनस आयर्स	ब्राजील	30 नवं - 01 दिसंबर 2018	मॉरिसियो माक्री
14	ओसाका	जापान	28-29 जून 2019	शिंजो आबे
15	रियाद	सउदी अरब	21-22 नवंबर 2020	शाह सलमान
16	रोम	इटली	31-31 अक्तूबर 2021	मारियो द्राघी
17	नुसा दुआ, बाली	इंडोनेशिया	15-16 नवंबर 2022	जोको विल्दोदो
18	नई दिल्ली	भारत	9-10 सितंबर 2023	नरेंद्र मोदी

सितंबर में शिखर सम्मेलन आयोजित करने से पहले भारत जी-20 के विभिन्न कार्यसमूहों की बैठकें कई शहरों में करेगा जिनमें बेंगलुरु, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, इंदौर, जोधपुर, खजुराहो, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, पुणे, कच्छ का रण, सूरत, तिरुवनंतपुरम और उदयपुर शामिल हैं।

भारत की ओर से दिए गए सूत्रवाक्य "वसुधैव कुटुम्बकम" की परिणति "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" में है। यह सूत्रवाक्य पुराने संस्कृत ग्रंथ महोपनिषद से लिया गया है। यह मौलिक रूप से सभी जीवों के महत्व पर प्रकाश डालता है- मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीव - साथ ही साथ पृथ्वी और ब्रह्मांड में उनकी अन्योन्याश्रितता। यह सूत्रवाक्य LiFE (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) को भी इंगित करता है, जो एक हरित पृथ्वी, स्वच्छ जल और नीले अंबर को सुनिश्चित करने में व्यक्तिगत और राष्ट्रीय दोनों स्तर पर पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और जिम्मेदार जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डालता है।

भारत की जी-20 प्राथमिकताएं:

1. हरित विकास, जलवायु वित्त और एलआईएफई- जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी पर विशेष जोर देने के साथ-साथ विकासशील देशों के लिए सिर्फ नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन पर भारत का ध्यान केंद्रित है। एलआईएफई आंदोलन जो पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देता है और भारत की स्थायी परंपराओं पर आधारित है।

2. त्वरित, समावेशी और लचीला विकास- उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना जिनमें संरचनात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता है, जिसमें वैश्विक व्यापार में छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों का समर्थन करना, श्रम अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देना, वैश्विक कौशल अंतर को पाटना और समावेशी कृषिमूल्य श्रृंखला और खाद्य प्रणालियों का निर्माण करना आदि शामिल है।

3. सतत प्रगति और विकास (एसडीजी) में तेजी लाना- कोविड-19 महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए विशेष ध्यान देने के साथ-साथ सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पुन: प्रतिबद्धता।

4. तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा- प्रौद्योगिकी के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, वित्तीय समावेशन और कृषि और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में तकनीक-सक्षम विकास जैसे क्षेत्रों में ज्ञान-साझाकरण में वृद्धि।

5. 21वीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थान- बहुपक्षवाद में सुधार और एक अधिक जवाबदेह, समावेशी और प्रतिनिधि अंतरराष्ट्रीय प्रणाली बनाने के प्रयास जो 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए उपयुक्त हो।

6. महिलाओं द्वारा प्रेरित विकास- सामाजिक-आर्थिक विकास और एसडीजी की उपलब्धि को बढ़ावा देने के लिए महिला सशक्तीकरण और प्रतिनिधित्व पर ध्यान देने के साथ समावेशी विकास और विकास पर जोर।

वैश्विक परिदृश्य में तेजी से हो रहे मूलभूत परिवर्तनों के मद्देनज़र भारत को मिली जी-20 समूह की अध्यक्षता और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। पिछले वर्ष शुरु हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध अब तक चल रहा है और इसके खत्म होने के कोई आसार भी नज़र नहीं आ रहे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से बातचीत के क्रम में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि वर्तमान युग सशस्त्र संघर्षों का नहीं बल्कि विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के साथ-साथ सतत विकास का युग है। रूस भी जी-20 समूह का संस्थापक सदस्य है । इस कारण भारत की अध्यक्षता और भारत में होनेवाला जी-20 शिखर सम्मेलन, दोनों भारतीय नेतृत्व की परीक्षा की कसौटी हैं। इस कसौटी पर खरा उतरने में भारत द्वारा निर्णीत सूत्रवाक्य "वसुधैव कुटुंबकम" अर्थात् "दुनिया एक परिवार है", सिर्फ सहायक ही नहीं, बल्कि भारतीय दर्शन और सोच का वैश्विक उद्घोष भी है जिसे पूरी दुनिया उम्मीद की किरण के रूप में देख रही है। हम आशा करते हैं कि भारत की अध्यक्षता में हो रहे इस जी-20 शिखर सम्मेलन से दुनिया की शांति, समृद्धि और स्थायित्व को एक नई दिशा मिलेगी ।

सुश्री पूजा साव
कनिष्ठ अनुवादक

महानगर में रहने के फायदे और नुकसान

मानव सभ्यता में समय के साथ कई परिवर्तन और विकास हुए। आदिमानव गुफाओं तथा जंगलों में बसे और जंगल में उपलब्ध भोजन से दूर रहते थे। इसके बाद विज्ञान ने जीवन की सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ मानव जाति को आशीर्वाद दिया। मनुष्य शहरों में रहने लगे। शहर आजीविका के प्रमुख केंद्र बन गए। एक बड़े शहर में जीवन गतिविधियों से भरा हुआ होता है। एक बड़ा शहर शिक्षा के सभी स्तरों का केंद्र है। यह व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, मनोरंजन और चिकित्सा सुविधाओं का केंद्र है।

महानगर में रहने के फायदे और नुकसान दोनों ही हैं। लाभ और हानि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ब्रह्मा जी की संपूर्ण सृष्टि ही गुण और अवगुण का मिला जुला स्वरूप है। महानगर में रहना गौरव की बात है किंतु इस जीवन में केवल गुण ही गुण है, ऐसा नही है। महानगर में रहने के फायदों की ओर दृष्टिपात किया जाए तो हम यह पाते है कि महानगर के जीवन में शिक्षा, यातायात, चिकित्सा, पुलिस सहायता, बैंक सुविधा, वैज्ञानिक अनुसंधानों की सुविधा तथा एक नागरिक को वांछित सुविधाएं महानगर में निवास करने के लाभ है। बच्चों की शिक्षा-दीक्षा की जैसी सुविधाएं शहरों में हैं वैसी ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं हैं। किसी के अस्वस्थ होने पर महानगर में तुरंत ही चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो जाती है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में अच्छे डॉक्टर की उपलब्धि न के बराबर होती है, जो नीम हकीम खतरे जान कहावत को चरितार्थ करता है। शहरों में रहने के और भी कई सारे फायदे हैं जो निम्नलिखित हैं -

1-रोजगार की अधिक संभावना
2-बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

3-बेहतर स्कूल और विश्वविद्यालय
4-रहने की बेहतर सुविधाएं
5-व्यापार के अनेक केंद्र
6-मनोरंजन के पर्याप्त साधन
7-हर तरह के बाजार की उपलब्धता

शहरों में रहने के जिस तरह अनेक फायदे हैं वहीं दूसरी ओर कुछ नुकसान भी हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि शहरी जीवन, ग्रामीण जीवन की तुलना में कई गुणा अच्छा और सुविधाजनक होता है। विकास के नाम पर शहरों में बड़े-बड़े उद्योग और कारखाने खोले जाते हैं, जिनसे निकलने वाले रसायन भूमि और वातावरण को प्रदूषित करते हैं। यही कारण है कि आज के समय में पर्यावरण में ऑक्सीजन की मात्रा घट गयी है। गांव की अपेक्षा शहरों में फल और सब्जियां तथा खाने-पीने की अन्य वस्तुएं बहुत महंगी होती हैं। शहरों में वाहनों की संख्या बहुत अधिक होती है, जिसके कारण ध्वनि प्रदूषण और वायु प्रदूषण से वातावरण को बहुत क्षति पहुंचती है। शहरों में बढ़ती जनसंख्या के कारण रोजगार के साधन भी मुश्किल से प्राप्त हो पाते हैं। जिसके कारण कुछ लोग अपराधों के माध्यम से अपना गुजारा करते है। जैसे-चोर, डकैती, लूटमार इत्यादि। इसके अलावा निम्नलिखित नुकसान और भी हैं।

1- भागदौड़ भरा जीवन
2- प्रदूषण की समस्या
3- अपराध की बढ़ती संख्या
4- लोगों का अकेलापन
5- स्वार्थ की अधिकता
6- शहरों में खर्चीला जीवन

महानगरों में मनुष्य का जीवन दास होता है। सुख सुविधाएं तो होती हैं परन्तु व्यक्ति के पास समय का अभाव होता है। जितना महानगरीय जीवन में लाभ है उतना उतनी ही कतिपय हानियां भी हैं। यह तो प्रकृति का नियम है।

श्री अरुण कुमार साव
कनिष्ठ अनुवादक

राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका

राष्ट्र के निर्माण में युवाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। किसी भी राष्ट्र की रीढ़ वहां की युवा शक्ति होती है। युवाओं के विचारों की हवा ही राष्ट्र के विजय पताका की दिशा निर्धारित करती है। देश की संरचनात्मक तथा कार्यात्मक शक्ति युवाओं के पास होती है। हर देश के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आज के अधिकांश युवा शिक्षित हैं, जो अपनी शिक्षा तथा बुद्धि के बल पर देश की उन्नति करने में समर्थ हैं। हमारा देश युवाओं का देश है। इतनी विशाल युवा-शक्ति वाला देश आज अपने चतुर्दिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, व्यवसाय, चिकित्सा जैसे हर एक क्षेत्र में भारत के युवा विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान बना रहे हैं। हमारे देश के युवा केवल हमारे देश में ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में अपनी योग्यता और कार्यकुशलता का परिचय दे रहे हैं। जिसका परिणाम यह है कि हमारे देश को सम्पूर्ण विश्व में एक अलग पहचान मिली है। स्वामी विवेकानंद जी ने मात्र 39 वर्ष में ही भारत की आध्यात्मिकता को विश्व में स्थापित किया था। उनके द्वारा दिए गए उपदेश आज सभी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। आज़ादी की लड़ाई में भी तात्कालिक भारत के असंख्य युवाओं ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। जिनके बलिदान को देश अनादिकाल तक याद करता रहेगा। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद, खुदीराम बोस आदि न जाने कितने क्रांतिकारी युवा हैं, जिन्होंने स्वंय के प्राणों को मातृभूमि पर न्योछावर कर दिया।

भारत के युवा देश के विकास में अपनी भूमिका तो निभा रहे हैं, किन्तु उनके समक्ष काफी सारी चुनौतियाँ भी हैं। इनमें से सबसे प्रमुख समस्या बेरोजगारी है। वृहद आबादी होने के कारण यह समस्या सामान्य-सी हो गयी है। इस समस्या का समाधान पाना बहुत ही कठिन है। जनसंख्या

अधिक होने के कारण युवाओं को अवसर नहीं मिलते जिससे प्रतिभा संकुचित हो जाती है और एक उम्र के साथ-साथ खत्म भी हो जाती है। देश के विपक्षी दलों की राजनीतिक पार्टियां इस बेरोजगारी की समस्या को अपनी चुनावी मुद्दा बनाती तो हैं, किन्तु यह सिर्फ एक मुद्दा ही बन कर रह जाता है। इस समस्या के परिणामस्वरूप एक और नई समस्या का जन्म होता है, "प्रतिभापलायन" की समस्या। इसके कारण भारत के प्रतिभावान युवक अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए अपने देश को छोड़ अन्य देशों में चले जाते हैं, जिसके कारण हमारे देश की ही क्षति होती है जिसकी पूर्ति कर पाना असंभव है। अवसर न मिलने के कारण देश के प्रतिभाशाली युवा अन्य विकल्पों की तलाश में देश से पलायन कर जाते हैं। यह देश के लिए दुर्भाग्य है।

आजादी के सात दशक के बाद हमारे देश की दशा और दिशा दोनों में काफी सुधार और बदलाव हुए हैं। समय-समय पर देश के सत्ताधारिओं ने युवाओं की महत्ता को समझा और उन्हें कई सारे अवसर प्रदान किए, जिससे युवाओं की प्रतिभा को और बल मिला। इसी कड़ी में 'आत्मनिर्भर भारत अभियान', 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना', 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्ट-अप इंडिया' इत्यादि महत्वपूर्ण हैं। इन सारी योजनाओं का लाभ काफी प्रतिभाशाली युवाओं को मिला है। देश की प्रगति में इन योजनाओं ने युवाओं के अंदर आत्मविश्वास को बल प्रदान करने का कार्य किया है। परिणामस्वरूप हमारे देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में काफी बढ़ोतरी हुई है।

वर्तमान में युवाओं में देश के प्रति देशभक्ति और देशानुराग इस बात का संकेत है कि आगामी भविष्य में भारत ही महाशक्ति बनेगा।

सुश्री प्रियंका त्रिवेदी
कनिष्ठ अनुवादक

आत्मविश्वास

अपना ही विश्वास पथिक ले

आगे बढ़ते जाओ।

अंतस की सोई शक्ति

झकझोर जगाते जाओ।

लक्ष्य सामने एक अकेला

हो अटूट उत्साह।

झंझा और तूफान उमड़ते

रोक सकें ना राह।

तुझमें भीम और अर्जुन सी

शक्ति असीम छिपी है ।

ईसा और गांधी सी हिम्मत

तुझमें कूट भरी है।

निज आत्मा की योग्य परीक्षा

केवल है बलिदान।

निज उद्देश्य प्राप्ति के हित

कितना कर सकते दान।

कथनी करनी में अंतर है

जैसे दिन और रात।

उच्च ध्येय की प्राप्ति लक्ष्य

पर दृढ़ संकल्प ना साथ।

जीवन के दुर्गम पथ पर

विश्वास अटल साथी है।

घोर निराशा के मग में

संकल्प ज्वलित बाती है।

सृजनहार तुम्हीं हो अपने

अपने ही निर्माता।

ओ नवयुवक ! छोड़ कर आलस

बन जा भाग्य विधाता।

श्री इमरान खाटीक
वरिष्ठ लेखापरीक्षक

" मेरे बचपन के यार "

हाय रे बचपन तेरे खेल निराले।
दिल में जल्द बड़े होने की उम्मीद हाथों में मस्ती भरे प्याले।

कल शाम देखा चंद बच्चों को फुटबॉल खेलते हुए जब सिटी पार्क में,
याद आने लगी धुंधली सी तस्वीरें मेरे यारों की, जो मस्ती करते थे बात-बात में।

वो खाली डिब्बे को फुटबॉल बनाकर दूर तक लात मारते हुए ले जाना।
साइकिल के पुराने टायर को डंडा मारते हुए दौड़ाना, फिर गिरना नदी में खूब नहाना।

पुराने न्यूज़पेपर से पतंग बनाना, गोंद ना मिलने पर आटे का दलिया बनाकर उसे चिपकाना क्या खूब था यारों वह जमाना।

याद आता है मुझे वह चुपके-चुपके से खेतों में जाना।
दोस्तों के कंधो पर खड़े रहकर आम, इमली, अमरुद, जामुन पेड़ से तोड़ लाना।

आज फिर याद आ ही गया वह तेरा साइकिल सिखाना।
साथ हूं कहकर पीछे रुक जाना, फिर गिर जाने पर सब दोस्तों का दौड़ते हुए आना।

वह एवरेडी सेल में तार लगाकर खेलनेवाली गाड़ी बनाना, दौड़ती है किसकी ज्यादा इस बात की रेस लगाना।

नए कपड़ों के लिए साल भर तीज त्यौहार की राह देखना, फिर किसका कपड़ा है सबसे भारी, इस पर घंटो चर्चा/ बहस करना।

ये कविता, गजल या कहानी नहीं है,
बस गुजरी है जो इमरान की जिंदगानी है।

आज दिल फिर से करता है उन गलियों में लौट जाने को,
क्या बचपन के यार वही मिलेंगे मुझे फिर से बचपन याद दिलाने को?

बचपन के चार यार थे मेरे, जो कभी अकेला नहीं होने देते,
आज लाखों की भीड़ में भी अकेलापन महसूस होता है।

खाना, कमाना जिंदगी की तरक्की समझ कर जिंदगी जीना भूल गया हूं।
उन चंद बच्चों को खेलता हुआ देखकर जिंदगी की असली खुशी को समझ गया हूं।

सुश्री फातेमा हवेलीवाला

लेखापरीक्षक

कुछ खास दिल के पास है रहते

खामोशी में बनी, बातों से बड़ी,

कुछ अटपटे लम्हों से और कुछ खालीपन से ये सजी....

कभी बड़प्पन से तो कभी अपनेपन से,

न उमर से बड़ी, न पढ़ाई या कामयाबी से घटी.....

वो कभी हमें याद करें, तो कभी हम उन्हें,

मिले या ना मिले, उनके फिर भी हम साथ रहें.....

कुछ एक से ख्यालों के, तो कुछ हटके सोच के मिलें,

बातों में अक्सर मिठास, पर कभी तीखास के तीर भी चले....

कोई स्कूल से साथ रहा, कोई कॉलेज में जुड़ा,

कोई ऑफिस का यार बना, तो कोई बस दिल से जुड़ गया....

कभी किसी को अपने दिल में शामिल किया, कभी किसी के दिल में शामिल हो गया,

लड़के-लड़कियों वाले ग्रुप बने, तो कुछ एक-साथ ही बन गए....

कुछ को दूर से देख कर भाग लेते, तो कुछ के लिए घंटो बरबाद करते,

सब एक से ना होते, कुछ खास दिल के पास है रहते....

दोस्ती कैसे और कब हुई याद नहीं, पर उसके बाद की शरारतें भूले नहीं,

लिए गए एहसानों का हिसाब नहीं रखते, और दिए गए एहसान कभी उसे भूलने नहीं देते....

कोई कभी-कभी अच्छा लगता है, और कोई हमेशा प्यारा लगता है,

दोस्ती है लंबा किस्सा, तू कल था, आज है और आगे भी रहेगा.....

मैं साथ हूं पर निभाना तुझी को पड़ेगा,

दोस्ती है कोई लेन-देन नहीं,

मेहनत तेरी और नाम मेरा इसमें कोई शक नहीं

श्री रवि कुमार
लेखापरीक्षक

नानी का घर

मुझे आज भी वो दिन याद है, बचपन में गर्मी की छुट्टी की बात सुनकर बस एक ही बात ज़हन में आती थी- नानी का घर। मैं इस दिन का सालभर बेसब्री से इंतजार करता था कि कब छुट्टियां शुरू हों और गांव जाने का मौका मिले। मैं अपने साथ फुटबॉल, कैरमबोर्ड, बैडमिंटन और न जाने कितने खिलौने ले जाता था, लेकिन वहां जाने के बाद इन्हें हाथ भी नहीं लगाता था। मुझे हाथ से बनाए गए मिट्टी के खिलौने, गिट्टियां, मिट्टी में और कई तरह के खेल खेलना ज्यादा अच्छा लगता था। वहां जाने पर ऐसा लगता कि मानो चैन और सुकून कहीं है, तो वो बस यहीं है। मुझे वो नानी के घर बिताए गए पल आज भी बहुत याद आते हैं।

नानी के पास जाने एवं वहाँ की गई मस्ती, यादें और सपने आज भी जब कभी याद आते हैं ऐसा लगता है कि वो बचपन काश कभी खत्म ना होता तो कितना अच्छा होता। नानी का वो प्यारा सा घर बचपन की याद दिलाता है। हंसता, रूठता और शैतानी भरे पलों को वापस खींच कर लाता है। गर्मी की छुट्टियों में नानी के घर हम जाते थे, और उनके हाथों से कई तरह के पकवान खाते थे। नानी के घर जाते ही हमारा शैतानियों का भंडार खुल जाता था, ये देखकर नानी को हम पर बहुत सारा प्यार आता था। वह दूध, मलाई और पकवान बना-बना कर हमें खिलाती थीं। इतने सारे पकवान खिला कर हम पर प्यार जताती थीं। नानी के घर जाते ही मम्मी की मार-डांट फीकी पड़ जाती, क्योंकि नानी के प्यार के आगे किसी की भी न चलती। पेड़ों पर लटका वो झूला जिस पर हम दिनभर झूलते और मजे करते। रात में जब हम सोने को जाते तो उससे पहले नानी मुझे कई तरह की कहानियाँ सुनाती, हम कहानियों के बारे में सोचते-सोचते सो जाते।

मैं भरी दोपहरी में दोस्तों के साथ निकल पड़ता था। हाथ में नमक की पुड़िया होती थी, क्योंकि छिपकर पेड़ों से तोड़कर आम खाने का मजा ही कुछ और होता था। दूसरों के खेतों से तोड़े गए टमाटर और पेड़ों से तोड़कर जामुन से भरी थैलियां देखकर जो सुकून मिलता था, वो आज पैसों से भरा पर्स देखकर भी नहीं मिलता है। दिनभर घूमकर जब घर पहुंचता, तो मम्मी का तमतमाया चेहरा देख सारी बदमाशी निकल जाती और जब मम्मी पीटने आतीं, तो मुंह से बस एक ही शब्द निकलता 'नानी'। मुझे वो तपती दोपहरी आज भी बहुत याद आती है।

मेरे पहुंचने से पहले ही नानी सत्तू, मिठाइयां, अचार सब तैयार कर लेती थीं। पता था उन्हें दो महीने तक एक आफत की पुड़िया को झेलना है। नानी के घर के ठीक सामने एक नदी थी। आधे से ज्यादा समय वहीं पर मस्ती में गुजर जाता। बिजली नहीं थी, लेकिन पेड़ की वो ठंडी हवा ए.सी. को भी मात देती थी। शाम होते ही चारों तरफ उड़ते जुगनुओं को देखकर ऐसा लगता था जैसे किसी ने एक साथ कई छोटी-छोटी लालटेन जला दी हों। मुझे वो जुगनुओं भरी शाम आज भी बहुत याद आती है।

मुझे आज भी याद आता है छत पर अपनी पंसदीदा जगह पर सोने के लिए झगड़ा करना और जगह नहीं मिलने पर नानी की गोद में सिर रखकर सो जाना। हालांकि नींद जल्दी नहीं आती थी, क्योंकि खुले आसमाने के नीचे लेटकर तारों को टिमटिमाते देखने और उसको गिनने का मौका रोज-रोज कहां मिलता था। सच में, ऐसा लगता था जैसे एक बड़ी-सी थाली में किसी ने सफेद मोती बिखेर दिए हों। वहीं पर मैंने पहली और आखिरी बार दो तारों को एक साथ टूटते हुए देखा था। तारें गिनते-गिनते कब मैं सो जाता था, पता ही नहीं चलता था। वो सितारों के आंचल में लिपटी हुई रात आज भी बहुत याद आती है।

E-NO/862541/Admn
Dt - 24/05/2023

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) लखनऊ
तृतीय तल, ऑडिट भवन, टी.सी.-35-V-1, विभूति खण्ड, गोमती नगर,
लखनऊ – 226010(उत्तर प्रदेश)

पत्रांक: प्र०नि०ले०प० (केन्द्रीय)/प्रशासन/राजभाषा हिंदी/फा०सं०-67/ 67 दिनांक: 15/05/2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी/ प्रशासन,
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा मुंबई ,
सी-25, ऑडिट भवन, 8वां तल, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू), मुंबई- 400051

विषय:- तिमाही हिन्दी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें संस्करण के सम्बन्ध में।

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा तिमाही हिन्दी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें संस्करण ई-मेल द्वारा प्राप्त हुआ है।

पत्रिका का यह अंक साज-सज्जा एवं मुद्रण स्पष्टता के कारण बहुत ही आकर्षक एवं मनोहारी है, साथ ही पत्रिका में समाविष्ट रचनाओ में से "चीटियों.... असाधारण जीव", "किसान: अन्नदाता" एवं "मैं औरत हूँ" बहुत ही आकर्षक है। पत्रिका में समाविष्ट सभी रचनाये अत्यंत रुचिकर एवं ज्ञानवर्धक है। पत्रिका के प्रकाशन हेतु संपादक मंडल एवं रचनाकारों का हार्दिक अभिनन्दन एवं शुभकामनाएँ।

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी /प्रशासन

G/23/5 PS E

E-NO-/860747/Admn Dt-23/05/2023

प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), केरल का कार्यालय, तिरुवनंतपुरम
OFFICE OF THE PRINCIPAL ACCOUNTANT GENERAL (A&E), KERALA,
THIRUVANANTHAPURAM – 695 001

सं. हिंदी कक्ष/पत्रिका समीक्षा/2023-24/0037992/IH दिनांक 18.05.2023

सेवा में

हिंदी अधिकारी
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
मुंबई – 400 051

महोदय/महोदया,

विषय : आपके कार्यालय की तिमाही हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 12वें अंक की प्राप्ति के संबंध में।

आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित तिमाही हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 12वें अंक की प्रति प्राप्त हुई, इसके लिए धन्यवाद। पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएँ रोचक, ज्ञानवर्धक एवं प्रशंसनीय हैं।

इस पत्रिका के प्रकाशन से जुडे सभी रचनाकार एवं संपादक मंडल बधाई के पात्र हैं। पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' की उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

भवदीया,

हिंदी अधिकारी

विद्या
24/5/23

22/5 PS

22/5/23

E-NO/860705/Admn

Dt - 23/05/2023

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़

Indian Audit & Accounts Department
Office of TheDirector General of Audit (Central), Chandigarh

सत्यमेव जयते

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

सं.पीडीए/राजभाषा/सन्देश/2023-24/63 दिनांक 12/5/23

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/हिन्दी,
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
मुंबई | 400051

विषयः तिमाही हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक के संबंध में ।

महोदय/महोदया,

आपके कार्यालय द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु प्रकाशित तिमाही हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक की एक ई-प्रति प्राप्त हुई । पत्रिका में सम्मिलित सभी रचनाएँ प्रशंसनीय व पठनीय है । पत्रिका की साज-सज्जा आकर्षक है । रचनाकारों एवं पत्रिका के कुशल संपादक- मंडल को हार्दिक बधाई ।

आशा है कि पत्रिका की गुणवता एवं रचनात्कमता में उत्तरोत्तर प्रगति जारी रहेगी । पत्रिका के उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनायें ।

सधन्यवाद ।

भवदीया,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/हिन्दी

विद्या 24/5/23

2215 PS

22/5/23

E-No/860680/Admn Dt - 23/05/2023

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) चेन्नै का कार्यालय
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT
(CENTRAL) CHENNAI

सत्यमेव जयते

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

सं प्रनिलेप(के) /हिंदी अनुभाग/14-02/2023-24/26 दिनांक : 03.05.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/ हिंदी
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
महाराष्ट्र,
मुंबई-400 051

विषय : हिंदी पत्रिका **"लेखापरीक्षा ज्ञानोदय"** " के 12 वें अंक की प्राप्ति के संबंध में।

महोदय/महोदया,

आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका **"लेखापरीक्षा ज्ञानोदय"** का 12 वां अंक इस कार्यालय में मेल के माध्यम से प्राप्त हुआ। धन्यवाद।

पत्रिका की संरचना आकर्षक एवं सटीक है। पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएँ पठनीय, प्रेरक, ज्ञानवर्धक एवं रोचक हैं। सभी रचनाएं एक से बढ़कर एक है विशेषतः सुश्री पूजा साव कृत **"आधुनिक भारत का युवा"**, सुश्री वी.सरला कृत **"पिरामिड के कुछ रोचक तथ्य"** एवं श्रीमती सपना फुलपाड़िया कृत **"मुंबई ने बॉलीवुड को बनाया"** अत्यंत प्रशंसनीय एवं सराहनीय हैं।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए सभी रचनाकार एवं संपादक मंडल बधाई के पात्र हैं।

भवदीया,
3/5/2023
हिंदी अधिकारी

विद्या
22/5/23

PS

22/5/23

E-No/860606 / Admn

Dt - 23/05/2023

सत्यमेव जयते	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), हरियाणा, प्लॉट नं. 5, सैक्टर 33-बी, दक्षिण मार्ग, चण्डीगढ़-160 020 OFFICE OF THE PR. ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT), HARYANA PLOT NO.5, SECTOR 33-B, DAKSHIN MARG, CHANDIGARH-160 020	

संख्या/No.: हिंदी कक्ष/पत्रिका/प्रतिक्रिया/2023-24/57 दिनांक/Dated: 10.05.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/प्रशासन,
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
मुंबई सी-25, आडिट भवन 8वां तल, बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स,
बांद्रा (पू) मुंबई-400 051

विषयः तिमाही हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 12वें संस्करण का प्रेषण।

महोदया,

पत्र संख्या डीजीसीए/प्रशा./का.प्र./2/58 दिनांक 28.04.2023 के द्वारा आपके कार्यालय की तिमाही हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 12वें संस्करण की ई-प्रति प्राप्त हुई है। एतदर्थ धन्यवाद। पत्रिका में समाहित सभी रचनाएं सराहनीय एवं प्रशंसनीय हैं। 'पिरामिड के कुछ रोचक तथ्य', 'चींटियां.....असाधारण जीव', 'मुंबई ने बॉलीवुड को बनाया', 'ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग-एक अद्भुत अनुभव', 'आधुनिक भारत का युवा', 'किसानः अन्न दाता' एवं 'मैं औरत हूं' आदि रचनाएं विशेष रूप से पठनीय एवं रुचिकर हैं। उत्तम संयोजन एवं संपादन के लिए संपादक मंडल बधाई के पात्र हैं।

पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय,

हिंदी अधिकारी
(हिंदी कक्ष)

विद्या
22/5/23

PS

22/5/23

E-NO/860172/Admn

Dt - 23/05/2023

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग

प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हक.), पश्चिम बंगाल

Indian Audit And Accounts Department

Principal Accountant General (A&E), West Bengal

सत्यमेव जयते

संख्या/ No. प्रशा. हिंदी सेल/पत्रिका/**2023-24/39**

दिनांक/ Dated. 22.05.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/ प्रशासन
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा
मुंबई - 400 051

विषय: कार्यालयीन हिंदी पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक की पावती एवं अभिमत ।

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित राजभाषा गृह-पत्रिका **"लेखापरीक्षा ज्ञानोदय"** के **12वें अंक** की ई -प्रति हमारे कार्यालय को प्राप्त हुई । एतदर्थ धन्यवाद !

पत्रिका के आवरण-पृष्ठ पर छायांकित छायाचित्र एवं अन्य विभिन्न कार्यालयीन गतिविधियों से संबंधित छायाचित्र काफी अच्छे लगे । पत्रिका में समाविष्ट सभी रचनाएँ उत्कृष्ट, ज्ञानवर्धक एवं संग्रहणीय हैं । विशेषकर सुश्री बी. सरला का लेख **"चींटियों......... असाधारण जीव"** के माध्यम से चींटियों के बारे में कई रोचक तथ्यों की जानकारी मिली । श्रीमती स्वप्ना फुलपाड़िया का लेख **"अच्छी खबर"** ने मन मस्तिष्क में सकारात्मकता का संचार कर दिया । श्री शरद धनगर के लेख "किसान: अन्न दाता" में किसान की महती भूमिका को व्यक्त किया गया है । सुश्री फातेमा जूजर हवेलीवाला की कविता "मैं औरत हूँ" ने मन मोह लिया । इसके अलावा श्री रवि कुमार का लेख **"दोस्ती"**, श्री इमरान खाटीक की कविता **"खुली आँखों के सपने"** आदि रचनाएँ अत्यन्त ही सराहनीय हैं ।

पत्रिका के सफल संपादन एवं संकलन हेतु संपादन मंडल के सभी सदस्यों को साधुवाद तथा पत्रिका की निरंतर प्रगति हेतु हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ ।

भवदीय,

चन्दन कुमार बढ़ई
हिन्दी अधिकारी/प्रशा. हिंदी सेल

ट्रेज़री बिल्डिंग्स, 2, गवर्नमेंट प्लेस, वेस्ट, कोलकाता - 700 001
Treasury Buildings, 2, Government Place West, Kolkata - 700 001
Phone: (033) 2213 8000, Fax: (033) 2248-7849
e-mail: agaewestbengal@cag.gov.inWeb Site: http://agwb.cag.gov.in

विद्या 24/5/23

2215 PS

22/5/23

E-NO - 848072/Admn/DGA (commercial) Mumbai
Dt - 16/05/2023

कार्यालय महालेखाकार (लेखा व हकदारी) पंजाब एवं यू.टी.,सेक्टर-17ई, चंडीगढ़ -160017
Office of ACCOUNTANT GENERAL (A & E) PUNJAB & U.T., Sector-17E, CHANDIGARH - 160017
फैक्स - 0172-2703110, दू. सं. - 2702272, 2702072

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

आज़ादी का अमृत महोत्सव

क्रमांक - हिंदी कक्ष/समीक्षा/2.10/2023-24/52 दिनांक -11.05.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/प्रशासन,
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यक लेखापरीक्षा मुंबई,
सी-25, 8वी मंजिल, ऑडिट भवन, बीकेसी बांद्रा पूर्व,
मुंबई - 400051 ।

विषय - विभागीय हिंदी पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 12वें अंक की पावती के संबंध में।

महोदय/महोदया,

आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 12वें अंक की प्रति प्राप्त हुई। इस पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएं रुचिकर, भावयुक्त एवं उद्देश्यपूर्ण हैं। पत्रिका का आवरण पृष्ठ आकर्षक है। कार्यालयीन गतिविधियों के छायाचित्र भी मनमोहक हैं।

श्री इमरान खाटिक की 'खुली आंखों के सपने', सुश्री फ़ातेमा जुजर हवेलीवाला की 'मैं औरत हूं', श्री रवि कुमार की 'दोस्ती', रचनाएं विशेष रुप से प्रशंसनीय है।

पत्रिका को सुरुचिपूर्ण एवं उपयोगी बनाने हेतु संपादकीय परिवार ने पूर्ण प्रयास किए है। पत्रिका के सभी रचनाकारों एंव संपादक मंडल को पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए बधाई एवं पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएं।

भवदीय

वरिष्ठ लेखा अधिकारी/हिंदी

हिंदी 16/5/23

16/5/23

E-NO /· 849160 /Admn Dt – 17/10/2023

भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग कार्यालय प्रधान महालेखाकार (ले एवं हक) तमिलनाडु, चेन्नई-18 टेलीफ़ोन: 044-24324530 फ़ैक्स: 044-24320562 Website : www.agae.tn.nic.in	सत्यमेव जयते	**INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT** **OFFICE OF THE PRINCIPAL ACCOUNTANT GENERAL (A&E), TAMILNADU,** **361, ANNA SALAI, CHENNAI-18** **Phone: 044-24324530 Fax: 044-24320562** **Website : www.agae.tn.nic.in**

हिन्दी कक्ष/हिन्दी गृह पत्रिका रिव्यू/3594 **दिनांक 03.05.2023**

सेवा में, वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी (प्रशासन) कार्यालय महानिदेशक वाणिज्य लेखापरीक्षा मुंबई सी-25, ऑडिट भवन आठवां तल, बांद्रा , कुर्ला कंपलेक्स बांद्रा (पूर्व) मुंबई 400051	To, The Senior Audit Officer (Administration) Office of the Director General of Commercial Audit Mumbai C-25, Audit Bhavan 8th Floor, Bandra, Kurla Complex Bandra (East) Mumbai 400051

विषय: आपकी हिंदी गृह पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के बाहरवें अंक की पावती के संबंध में।

महोदय,

आपके कार्यालय की पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" का बाहरवां अंक प्राप्त हुआ। इसके लिए सहर्ष धन्यवाद। ये अंक अपने कलेवर, साज- सज्जा, मुद्रण स्पष्टता के कारण बहुत ही आकर्षक और मनोहरी बन पड़ा है। पत्रिका में सम्मिलित सामग्री उच्च स्तर की है। विभिन्न प्रकार की रचनाओं से सजी आपकी पत्रिका हिन्दी कार्यान्वयन की दिशा में एक स्वर्णिम प्रयास है। पत्रिका में समाहित सभी रचनाएँ उच्च कोटि की अत्यंत रोचक, ज्ञानवर्द्धक, मनोरंजक, पठनीय एवं सराहनीय है। इस अंक मे प्रकाशित **श्री रवि कुमार द्वारा लिखित "दोस्ती", श्री शरद धनगर द्वारा लिखित "किसान : अन्न दाता", सुश्री फातेमा जुजर हवेली वाला द्वारा लिखित "मैं औरत हूँ" और सुश्री पूजा साव द्वारा लिखित "आधुनिक भारत का युवा" विशेष रूप से उल्लेखनीय है**। राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार में विभागीय रचनाकारों को उत्कृष्ट सृजनात्मक मंच प्रदान करने में आपकी इस पत्रिका की भूमिका महत्वपूर्ण बन रही है। यह बहुत ही सकारात्मक प्रयास है। पत्रिका भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करे, यही कामना है। पत्रिका के सभी रचनाकारों एवं संपादक मंडल को पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए बधाई एवं पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

भवदीय

हिंदी अधिकारी/Hindi Officer

सुभाष चंद यादव/Subhash Chand Yadav

विद्या 16/5/23

16/5 PS. 16/5/23

E- No - 847553/Admn/DGA (commercial) mumbai
Dt - 16/05/2023

प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II) का कार्यालय, केरल, तिरुवंतपुरम

सं.लेप.II/हिंदी कक्ष/ पत्रिका/ 2023-24 दिनांक: 09.05.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/प्रशासन
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
मुम्बई-400051

विषय:- पत्रिका की पावती – बाबत्

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित हिंदी गृह पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक की प्रति प्राप्त हुई, हार्दिक धन्यवाद ।

पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएँ लाभप्रद हैं । इस पत्रिका में हिंदी भाषा के प्रोत्साहन हेतु सारी रचनाएं बेहद ही जीवंत तरीके से प्रस्तुत की गई है । फातेमा जुजर हवेलीवाला जी द्वारा रचित कविता 'मैं औरत हूं' एवं वी सरला जी द्वारा रचित 'चीटियों...असाधारण जीव' अत्यंत सराहनीय हैं । पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए संपादक मंडल को सहस्त्र बधाई ।

शुभकामनाएँ ।

भवदीया,

हिंदी अधिकारी

विद्या
16/5/23

16/5 PS

सं. हि. प्रशा./2023-24/22

प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा

एंव

पदेन सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड का
कार्यालय, बेंगलोर-560001

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL AUDIT & EX-OFFICIO MEMBER AUDIT BOARD, BENGALURU-560001.

दिनांक – 22/06/2023

सेवा में,

वरि. लेखापरीक्षा अधिकारी / प्रशासन
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा
सी 25, 8 वीं मंजिल, ऑडिट भवन,
बीकेसी बांद्रा पूर्व, मुंबई - 400051

विषयः- प्रशंसा पत्र।

महोदय /महोदया,

आपके कार्यालय की त्रैमासिक हिन्दी ई - पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' का 12 वां अंक की प्रति इस कार्यालय को सहर्ष प्राप्त हुई है। पत्रिका में सम्मलित सभी रचनाऐं पठनीय एवं प्रशंसनीय हैं। विभिन्न प्रकार की रचनाओं से सजी आपकी पत्रिका हिन्दी कार्यान्वयन की दिशा में एक स्वर्णिम प्रयास है| पत्रिका के प्रकाशन के सफल प्रयास हेतु शुभकामनाएँ।

धन्यवाद,

भवदीया,

सरिता

हिन्दी अधिकारी

C:\Users\Administrator\Desktop\sandeep kumar\प्रशंसा पत्र.docx

विद्या 25/7/23

E-No/1032518/Admn

25 JUL 2023

25/7 PS

E-No/876683/Admn
Dt- 31 MAY 2023

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा,
पर्यावरण एवं वैज्ञानिक विभाग, कोलकाता शाखा
द्वितीय बहुतलीय कार्यालय भवन, छठा तल, निजाम पैलेस,
ए.जे.सी. बोस रोड 234/4, कोलकाता-700020
फोनः ,033-2289/4111/12/13फैक्सः 033-2289-4060
ई मेल-bresdkolkata@cag.gov.in

22 MAY 2023

संख्या हि.अ./1(17)21/2012-13/2021-22/79 **दिनांकः-19.05.2023**

सेवा में,
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (राजभाषा),
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
सी-25, 8वीं मंजिल, ऑडिट भवन,
बी.के.सी. बांद्रा पूर्व,
मुम्बई-400 051

विषयः- हिंदी त्रैमासिक ई-पत्रिका "ज्ञानोदय" के 12वें अंक की अभिस्वीकृति एवं प्रतिक्रिया

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित हिन्दी त्रैमासिक ई-पत्रिका "ज्ञानोदय" के 12वें अंक की ई-प्रति प्राप्त हुई। सर्वप्रथम इसके लिए सहर्ष धन्यवाद। पत्रिका का आवरण पृष्ठ आकर्षक है तथा मुद्रण एवं प्रकाशन उत्तम है। संकलित समस्त लेख एवं रचनाएँ सरस एवं पठनीय हैं। विशेषकर सुश्री वी. सरला का आलेख '**पिरामिड के कुछ रोचक तथ्य**', श्रीमती स्वपना फुलपाड़िया का आलेख '**अच्छी खबर**', सुश्री पूजा साव का आलेख '**आधुनिक भारत का युवा**', श्री शरद धनगर का आलेख '**किसान-अन्नदाता**', श्री इमरान खाटीक की कविता '**खुली आँखों के सपने**' और सुश्री फातेमा जुजर हवेलीवाला की कविता '**मैं औरत हूँ**' अत्यन्त ही उत्कृष्ट एवं सराहनीय है।

पत्रिका के श्रेष्ठ संकलन हेतु संपादक मंडल के सभी सदस्य बधाई के पात्र है। आपके कार्यालय की हिंदी पत्रिका "ज्ञानोदय" इसी तरह निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहे, यह हमारी शुभकामना है।

भवदीय,
हस्ता/-
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (राजभाषा)

विद्या 31/5/23

31/5 PS

31/5/23

प्रा.हि.क./पावती/22-23/आ.क्र.-146 /दिनांक - 07.6.23

भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा), छत्तीसगढ़, रायपुर

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of Principal Accountant General (Audit), Chhattisgarh, Raipur

सत्यमेव जयते

दिनांक
Date :

E-NO/909030/Admn
Dated- 13 JUN 2023

प्रति ,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी / प्रशासन
कार्यालय महानिदेशक (वाणिज्यिक लेखापरीक्षा) मुंबई,
भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग,सी.25 ऑडिट भवन
8वां तल बांद्रा कुर्ला काम्प्लेक्स बांद्रा (पू.)मुंबई 400051

विषय:- पत्रिका की पावती प्रेषित करने संबंधी।
संदर्भ:- सं. डीजीसीए/प्रशा./का.प./2/58 दिनांक 28.04.2023

महोदय/महोदया,

उपरोक्त संदर्भित दिनांक को प्रेषित आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित तिमाही हिन्दी ई-पत्रिका**"लेखापरीक्षा ज्ञानोदय"** के 12 संस्करण की ई प्रति प्राप्त हुई। पत्रिका की यह प्रति भेजने हेतु आपका हार्दिक आभार। भेजी गई पत्रिका में संकलित सभी रचनाएँ पठनीय, रुचिकर एवं प्रेरणा दायक हैं। इस पत्रिका में सामाजिक जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक लेख लिखे गए हैं।

राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में यह पत्रिका महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। सभी रचनाकारों एवं संपादक मण्डल को पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए बधाई एवं पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएँ।

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
हिन्दी कक्ष

विद्या 13/6/23

पोस्ट - मांढर, जीरो प्वाइंट, रायपुर - 493 111 (छत्तीसगढ़)
Post - Mandhar, Zero Point, Raipur - 493 111 (Chhattisgarh)
फोन/Phone : 2582082 • फैक्स/Fax : 2582505 • ई-मेल/Email : agauchhattisgarh@cag.gov.in

E-No/858559/Admn

Dt - 22/5/23

कार्यालय
प्रधान महालेखाकार (ले. व ह.)
हिमाचल प्रदेश, शिमला–171 003

OFFICE OF THE
PRINCIPAL ACCOUNTANT GENERAL (A&E)
HIMACHAL PRADESH, SHIMLA-171 003

सं0 हि0क0 / ले0 व ह0 / पत्रिका समीक्षा / 2023–24 /45 दिनांक :- 11/05/2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन)
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
सी–25, ऑडिट भवन, 8वाँ तल, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स बांद्रा,
मुंबई – 400051

विषय: आपके द्वारा प्रेषित कार्यालय की तिमाही हिंदी ई–पत्रिका ' लेखापरीक्षा ज्ञानोदय ' के 12वें सस्करण का प्रेषण।

महोदय,

उपरोक्त विषय पर आपके द्वारा प्रेषित कार्यालय की तिमाही हिंदी ई–पत्रिका ' लेखापरीक्षा ज्ञानोदय ' के 12वें सस्करण अंक की ई–प्रति प्राप्त हुई है जिसमें प्रकाशित सभी रचनाएं उत्कृष्ट एवं ज्ञानवर्धक हैं। हिंदी भाषा की सृजनशीलता के उत्थान हेतु आपका यह प्रयास सराहनीय है जिसके लिये आपका राजभाषा परिवार बधाई का पात्र है।

आशा है पत्रिका राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार के साथ–साथ कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मौलिक लेखन प्रतिभा को बढ़ावा देने में प्रेरक भूमिका निभाएगी। पत्रिका के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ।

भवदीय,

वरिष्ठ लेख. अधिकारी
(हिन्दी [illegible])

तिज्ञा
22/5/23

22/5 PS

गार्टन कैसल बिल्डिंग, शिमला–171 003 दूरभाष: 0177–2652502 / 2651033, फैक्स: 0177–2651743
Gorton Castle Building, Shimla-171 003 Phone: 0177-2652502/2651033, Fax: 0177-2651743
E-mail:agaeHimachalpradesh@cag.gov.in

E- No/856027/Admn/
Dt - 19/5/2023

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लेखाहितार्थ सत्यनिष्ठता
Dedicated to Truth in Public Interest

सत्यमेव जयते

कार्यालय महालेखाकार
(लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल
Office of the Accountant General
(Audit–II), West Bengal

संख्या :- हिंदी कक्ष/पत्रिका पावती/28 दिनांक:- 12 /05/2023

12 MAY 2023

सेवा में,
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/ रा.भा.
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मुंबई
सी-25, 8वीं मंजिल, ऑडिट भवन, बीकेसी बांद्रा पूर्व,
मुंबई- 400 051

विषय: हिन्दी गृह पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक के प्रेषण के संबंध में।

महोदय/महोदया,

आपके कार्यालय द्वारा प्रेषित हिन्दी पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12 वें अंक की प्राप्ति हुई। पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएं ज्ञानवर्धक एवं रोचक हैं। पत्रिका का आवरण पृष्ठ एवं पत्रिका में प्रकाशित छायाचित्र अत्यंत आकर्षक और मनमोहक है। साथ-ही पत्रिका का कलेवर भी अत्यंत आकर्षक है। कविताएं एवं लेख भी भावपूर्ण, सार्थक तथा मन को छू लेने वाली हैं। इनमें से जो रचनाएँ अति उत्तम लगीं, वो हैं- आधुनिक भारत का युवा, किसान: अन्नदाता खुली आँखों के सपने आदि।

आशा करता हूँ कि पत्रिका की गुणवत्ता एवं रचनात्मकता में उत्तरोत्तर प्रगति जारी रहेगी। पत्रिका के उज्जवल भविष्य तथा आगामी अंकों के लिये बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

भवदीय,

सु. अधिकारी
12/05/23
व. लेखापरीक्षा अधिकारी/हिंदी कक्ष

विद्या
19/5/23.

19/5/23

सी.जी.ओ.कम्प्लेक्स,डी.एफ.ब्लॉक, साल्ट लेक,कोलकाता- 700 064
3rd MSO Building, 5th Floor, CGO Complex, DF Block, Salt Lake, Kolkata - 700 064.
Phone: (033) 2337-4916; FAX: (033) 2337-7854, e-mail: agauwestbengal2@cag.gov.in

E-NO - /860652 /Admn Dt - 25/05/2023

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I)
पश्चिम बंगाल
2, गवर्मेंट प्लेस (पश्चिम), ट्रेजरी बिल्डिंग्स,
कोलकाता - 700 001

सत्यमेव जयते

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE PRINCIPAL
ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-I)
WEST BENGAL
2, GOVT. PLACE (WEST), TREASURY BUILDINGS,
KOLKATA-700 001
Ph. (033) 2213-3151/52,Fax (033) 2213-3174
e-mail : agauwestbengal1@cag.gov.in

संख्या:हिन्दी कक्ष/हिन्दी पत्रिका/पावती/39
दिनांक:09.05.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (राजभाषा अनुभाग)
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मुंबई
सी-25, ऑडिट भवन, 8वाँ तल, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स,
बांद्रा (पू), मुंबई – 400 051

विषय : कार्यालयीन तिमाही हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक की पावती।

महोदय/महोदया,

पत्र क्रमांकः डीजीसीए/प्रशा./का.प./2/58 दिनांक 28.04.2023 के तहत् आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित तिमाही हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक की ई-प्रति प्राप्त हुई। साधुवाद। पत्रिका का आवरण पृष्ठ एवं आन्तरिक साज -सज्जा सुन्दर एवं आकर्षक है। पत्रिका में समाविष्ट सभी रचनाएं सुंदर है। विशेष रूप से श्री सरोज प्रजापति जी द्वारा लिखा गया यात्रा वृतांत 'ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग – एक अद्भुत अनुभव' अत्यंत रोचक है। आशा है कि यह पत्रिका हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

पत्रिका के सभी रचनाकारों एवं संपादक मंडल को पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए बधाई एवं पत्रिका की उत्तरोतर प्रगति हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

09.5.2023
हिंदी अधिकारी

विद्या 25/5/23

22/5 PS

25/5/23

E-No/860576/Admn

Date - 23/5/23

कार्यालय प्रधान महालेखाकार(लेखापरीक्षा-II), तमिलनाडु एवं पुदुचेरी,
लेखापरीक्षा भवन, 361, अण्णा सालई, तेनामपेट, चेन्नई – 600 018

सं. प्रमले.(लेप.-II)/हि.अ./प्रशंसा पत्र/7-38/2023-24 दिनांक:15.05.2023

सेवा में,
हिंदी अधिकारी
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा,
मुंबई ।

विषय : हिंदी गृह पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें संस्करण की अभिस्वीकृति ।

महोदय / महोदया,

आपके कार्यालय के हिंदी गृह पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें संस्करण की एक ई-प्रति प्राप्त हुई, सहर्ष धन्यवाद। पत्रिका में सम्मिलित रचनाएँ ,लेख, कविताएं , प्रेरक प्रसंग इत्यादि उत्कृष्ट, पठनीय और सरल भाषा में हैं ।

पत्रिका के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रगतिशील उत्थान हेतु आपके कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया गया प्रयास अति सराहनीय है। पत्रिका में संकलित चित्र और इसकी साज सज्जा भी आकर्षक है।

आशा है कि पत्रिका की गुणवत्ता एवं रचनात्मकता में उत्तरोत्तर प्रगति जारी रहेगी। पत्रिका के उज्जवल भविष्य तथा आगामी अंक के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीया,

वी. चित्रा
हिंदी अधिकारी,

विद्या
22/5/23

22/5 PIS

22/5/23

सत्यमेव जयते

प्रधान महालेखाकार (ले० व०) हरियाणा का कार्यालय लेखा भवन,
प्लॉट नं० 4 व 5, सैक्टर 33-बी, चंडीगढ़-160020 टेलीफोन नं०
2610957, 2613211, 2615382 फ़ैक्स नं० 0172-2603824
OFFICE OF THE Pr. ACCOUNTANT GENERAL
(A&E)HARYANA, CHANDIGARH-160020 EPABX No.: 2610957,
2613211, 2615382 Fax No.: 0172-2603824
E mail- agaeharyana@cag.gov.in

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

कक्ष/पत्रि. प्रति/2023-2024/47

दिनांक: 10.05.2023

सेवा में

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (राजभाषा)

कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा

मुंबई ।

विषय: तिमाही हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 12वें अंक के प्रेषण से संबंधित ।

आपके कार्यालय पत्र दिनांक 02.05.2023 के द्वारा तिमाही हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 12वें अंक के प्रेषण की प्राप्ति सधन्यवाद हुई है । पत्रिका में समाविष्ट सभी रचनाएँ उच्चस्तरीय, ज्ञानवर्धक एवं प्रशंसनीय है पत्रिका में समाविष्ट श्री संदीप देशप्रभु का लेख 'कन्हेरी गुफाएँ', सुश्री पूजा साव का लेख 'आधुनिक भारत का युवा', श्री शरद धनगर का लेख 'किसान: अन्नदाता", तथा सुश्री वी. सरला का लेख 'पिरामिड के कुछ रोचक तथ्य' ज्ञानवर्धक है ।

इसके अतिरिक्त सुश्री फ़ातेमा जुजर हवेलीवाला की कविता 'मैं औरत हूँ' पठनीय है ।

पत्रिका के श्रेष्ठ संकलन हेतु संपादक-मंडल बधाई के पात्र हैं। पत्रिका के उज्जवल भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ ।

भवदीया

पूजा सिंह

हिन्दी अधिकारी

E-No/880510/Admn

Dt - 23/05/2023

विद्या 22/5/23

22/5 PS

22/5/23

E-No/Admn/860446/Mumbai Date - 23/05/2023

Email **Admin Section PDCA Mumbai**

तिमाही हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक की प्राप्ति का प्रेषण।

From : Santosh Kumar <santoshkr.del.cca@cag.gov.in> Mon, May 22, 2023 03:54 PM
Subject : तिमाही हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक की प्राप्ति का प्रेषण।
To : Admin Section PDCA Mumbai <admin.mum.pdca@cag.gov.in>

महालेखाकार (लेखापरीक्षा), झारखण्ड का कार्यालय, राँची

पत्रांक- हिंदी प्रकोष्ठ/ले.प./पत्रिका पावती/2023-24/ दिनांक- 22.05.2023

सेवा में,
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन)
कार्यालय महानिदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा
C-25, ऑडिट भवन, 8वाँ तल, बांद्रा कुर्ला काम्प्लेक्स,
बांद्रा (पूर्व), मुंबई-400051

विषय- तिमाही हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक की प्राप्ति का प्रेषण।

महोदय/महोदया,

आपके कार्यालय से प्रकाशित तिमाही हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक की एक प्रति की प्राप्ति हुई है। धन्यवाद! पत्रिका में निहित सभी रचनाएँ अत्यंत ही अच्छी है।

पत्रिका के सफल सम्पादन एवं प्रकाशन हेतु सम्पादक मण्डल को हार्दिक बधाई तथा पत्रिका के उज्जवल भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ।

भवदीय,

हस्ता./-
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
हिंदी प्रकोष्ठ

विद्या 22/5/23

@ 2A15 PS.

22/5/23

स्पीड पोस्ट

E-No-848105/Admn/DGA(commercial) mumbai
Dt - 16/05/2023

कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), गुजरात, राजकोट-360001
Office of the Accountant General (A&E), Gujarat, Rajkot-360001
फोन नं./Phone No: 0281-2441600-06 (पीबीएक्स/PBX) फैक्स नं./Fax No: 0281-2456238 ईमेल/Email: agaegujarat@cag.gov.in

सं.हिंदी अनुभाग/प्रतिभाव-19/2023-24/26
दिनांक: 09.05.2023

सेवा में,

व.लेखापरीक्षा अधिकारी/ प्रशासन,
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
मुंबई - 400 051

विषय: हिंदी गृह-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12 वे अंक के प्रतिभाव प्रेषण के संबंध में।

महोदय,

आपके कार्यालय की गृह-पत्रिका ""लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12 वे अंक की ई-प्रति की प्राप्ति हुई, सहर्ष धन्यवाद। पत्रिका में समाहित सभी रचनाएं पठनीय, रोचक एवं ज्ञानवर्धक हैं, विशेषकर- चींटियों....असाधारण जीव, कन्हेरी गुफाएं, अच्छी खबर, ऋविकेश में रिवर राफ्टिंग-एक अद्भुत अनुभव, आधुनिक भारत का युवा, किसानः अन्न दाता, खुली आंखों के सपने, मैं औरत हूँ, दोस्ती। पत्रिका में सभी रचनाकारों ने अपनी लेखनी से विषयानुसार रचनाओं का बडी ही खूबसूरती से वर्णन किया है। इसके लिए वे सभी बधाई के पात्र हैं।

पत्रिका के माध्यम से "ख" क्षेत्र में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु आप सभी लेखकों का योगदान अत्यंत सराहनीय है। पत्रिका की साज-सज्जा उत्तम है।

आपकी पत्रिका निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होती रहे, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ 'गिरनार' परिवार को आपकी पत्रिका के अगले अंक की प्रतीक्षा रहेगी।

भवदीय,

वरिष्ठ लेखा अधिकारी/हिंदी

विद्या
16/5/23

16/5/23